C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सायं 7:04 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सुबह 5:33 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 16 अंक 45 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | गुरूवार, 1 अगस्त 2024

करोड़ों रुपये की मालकिन हैं मृणाल...पेज-3 पर

News

कॉर्नर

हाई अलर्ट पर केदारघाटी, यात्रा रोकी, रेस्क्यू जारी

देहरादून। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटने से मची भारी तबाही के बाद यात्रा को रोक दिया गया है। केदारघाटी में हाईअलर्ट जारी किया गया है। वहीं बड़ी लिंचोली में रेस्क्यू अभियान जारी है। श्रद्धालुओं को आपातकालीन हेली पैड पर लाया जा रहा है। उनके साथियों की जानकारी ली जा रही है। नदी पार करवाने के लिए एनडीआरएफ, डीडीआरएफ जवान मदद कर रहे हैं। सोनप्रयाग से लिनचोली तक काफी नुकसान हुआ है। सड़क और पैदल मार्ग को क्षति पहुंची है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रुद्रप्रयाग में अतिवृष्टि से हुए आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इस दौरान वह बचाव व राहत कार्यों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी से भीमबली के बीच लिंचोली के पास बादल फटने से मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशाने से ऊपर पहुंच गया है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने देर रात गौरीकुंड और सोनप्रयाग बाजार को खाली करवा दिया।

प्रभावितों से मिलने पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। उत्तराखंड के टिहरी में भिलंगना ब्लॉक के नौताड़ तोक में बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। बारिश और भूस्खलन ने यहां भारी तबाही मचाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यहां क्षेत्र में प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि नौताड़ तोक में एक होटल बह गया। जिसमें होटल स्वामी भानु प्रसाद(50), उनकी पत्नी नीलम देवी(45) व पुत्र विपिन(28) लापता थे। रेस्क्यू अभियान के दौरान भानु और उनकी पत्नी नीलम का शव घटनास्थल से 100 मीटर दूरी पर बरामद कर लिया गया है। वहीं, लापता युवक विपिन घायल अवस्था में मिला है। बता दें कि बीती रात भिलंगना ब्लॉक के जखन्याली गांव के नौताड़ तोक में बादल फटने से पांच लोग मलबे में जिंदा दफन हो गए थे।

पहाड़ से मैदान तक बारिश का कहर, मकान-पुल, सड़कें और कई गाड़ियां बही

हिमाचल में फटे बादल , चार शव मिले, 53 लोग लापता

देहरादून/हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। कुल्लू के निरमंड ब्लॉक में दो जगह, कुल्लू के मलाणा और मंडी जिले में बादल फटे हैं। बादल फटने से भारी तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चार शव बरामद कर लिए गए हैं। तीनों जगह पर करीब 53 लोग लापता हो गए हैं। यहां 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। बादल फटने की घटना के बाद मंडी के पधर के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं।

मंडी के थलटूखोड़ में आधी रात बादल फटने से तबाही मच गई। यहां मकान ढहने की सूचना है। सड़क कनेक्टिविटी भी ठप हो गई है। मौके के लिए एसडीआरएफ समेत अन्य टीमें रवाना हो गई हैं। थलटूखोड़ पंचायत प्रधान कली राम ने बताया कि तेरंग और राजबन गांव में बादल फटने की घटना हुई है। घटना में कई लोग लापता है। तीन घर बहने की सूचना है। जानकारी मिली है कि पधर उपमंडल के थलटूखोड़ में बादल फटने की घटना में नौ लोग लापता हैं, एक शव बरामद किया गया है। जबकि 35 सुरक्षित हैं। मंडी जिला प्रशासन ने रेस्क्यू के लिए एयरफोर्स को अलर्ट किया है। मदद की जरूरत होने पर सेवाएं ली जाएंगी। एनडीआरएफ को भी मदद का निवेदन किया गया है। डीसी अपूर्व देवगन और रेस्क्यू टीमें पैदल ही प्रभावित क्षेत्र के लिए जा रही हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं। सड़कें और रास्ते टूटने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कत आ रही है। इसके अलावा, शिमला-कुल्लू सीमा पर बादल फटने से तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई लोगों के लापता होने की खबर है। राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया है। मौके के लिए एसडीआरएफ की टीम रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार, कुल्लू के निरमंड इलाके में बादल फटा है। इससे भारी नुकसान हुआ है। 20 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है। निरमंड ब्लॉक के झाकड़ी में समेज खड्ड में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक बादल फटने की सूचना मिली है। गुरुवार सुबह तड़के बादल फटा है। घटना स्थल के लिए उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी भी रवाना हो गए हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एनडीएसआरएफ की टीम, पुलिस, रेस्क्यू दल घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि बादल फटने से प्रभावित क्षेत्र से 19 लोगों के लापता होने की जानकारी है। एसडीएम रामपुर निशांत तोमर घटना स्थल पर पहुंच रहें है। सड़क कई जगह बंद होने के कारण टीम दो किलोमीटर पैदल ही घटना स्थल पर पहुंचने के लिए प्रयास कर रही है। कुल्लू जिले के निरमंड इलाके के बागीपुल में 8-10 मकान बह गए हैं। जिसमें पटवार खाना, होटल, दुकानें भी शामिल हैं। बागीपुल में सात से दस लोगों के लापता होने की सूचना है। इसमें एक ही परिवार के सात लोग लापता बताए जा रहे हैं। तहसीलदार मौके पर हैं। कोयल खड्ड तक सर्च अभियान शुरू किया जा रहा है। निरमंड में कई पुल बह गए हैं, अधिकतर सड़कें बंद हैं। बागीपुल में बस स्टैंड का नामोनिशान मिट गया है। 15 गाड़ियां पानी में बह गई हैं। .....संबंधित खबरें पेज तीन व चार पर

रुड़की में करंट से दो की मौत

रोडवेज बस स्टेशन के पास बिजली के तारों से घिरे एक खंभे के नीचे पेड़ में बारिश के कारण अचानक करंट फैल गया। पेड़ के नीचे बस का इंतजार कर रहे सरोज निवासी कांवली रोड देहरादून और प्रदीप निवासी लंढौरा करंट की चपेट में आ गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

उत्तराखंड में नौ लोगों की मौत, पांच लापता

हल्द्वानी/देहरादून

हमारे संवाददाता

प्रदेश में देर शाम को शुरू हुई बारिश ने तबाही मचा दी। रुद्रप्रयाग के लिंचोली और टिहरी के नौताड़ तोक में बादल फटने से नुकसान हुआ है। वहीं, अलग-अलग जगहों पर बारिश ने सात लोगों की जान ले ली। उत्तराखंड में बुधवार को हुई भारी बारिश से कई जगह जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया।

अलग-अलग हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग लापता हैं, उनकी तलाश जारी है। उधर, केदारघाटी में हाईअलर्ट जारी कर दिया गया है। टिहरी में तिलवाड़ा पुल बह गया है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी से भीमबली के बीच लिंचोली के पास बादल फटने से मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशाने से ऊपर पहुंच गया है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने देर रात गौरीकुंड और सोनप्रयाग में बाजारों के साथ होट और लॉज को खाली करवा दिया। तसकुंड और केदारनाथ पैदल मार्ग को करीब 30 मीटर हिस्सा बह गया है। एहतियात के तौर पर 200 लोगों को जीएमवीएन के गेस्ट हाउस और पुलिस चौकी में ठहराया गया है। गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच चट्टान रास्ते पर गिरने की भी सूचना है। उधर, टिहरी के घनसाली में भिलंगना ब्लॉक के नौताड़ तोक में एक छोटा होटल ढहने से दंपती भानु व नीलम की मौत हो गई। जबकि गैरसैंण के रोहिड़ा में एक मकान पर मलबा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी ओर चमोली के बेलचोरी में मकान ढहने से दो लोग लापता हो गए हैं। लिंचोली में बादल फटने से खासा नुकसान हुआ है। एसडीएम अनिल कुमार के मुताबिक गौरीकुंड से केदारनाथ मंदिर जाने वाला पैदल मार्ग करीब 30 मीटर बह गया है। मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। तसकुंड भी बह गया है। देर रात गौरीकुंड और सोनप्रयाग बाजार खाली करा लिए गए। 40 लोगों ने जीएमवीएन के गेस्ट हाउस में शरण ले ली है। देहरादून शहर में बुधवार शाम से शुरू हुई तेज बारिश देर रात तक जारी रही। कुछ ही देर में नालापानी में सड़क पर पानी इतना तेज बहने लगा कि दो लोग बहकर लापता हो गए। जिनमें से एक का शव बरामद हो गया। कुमाऊं में भी बारिश से जानमाल का खासा नुकसान हुआ है। बागेश्वर जिले में शुभम (14) पुत्र संतोष सरयू में बह गया। हल्द्वानी के इंदिरानगर निवासी रिजवान(8) नाले में बह गया। जिसका सुराग नहीं लग पाया है। एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन की टीम बच्चे की ढूंढ खोज में लगी हुई हैं। धारी ब्लॉक के उडियारी पल्लाधार में पहाड़ी से पत्थर गिरने से लालराम (48) की मौत हो गई। इसके अलावा तीन लोगों को बहने से बचाया गया है। बहादराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम भौरी डेरा शांतरशाह में मकान गिरने से दो बच्चों आस मोहम्मद (10) पुत्र मुजम्मिल, नगमा (8) पुत्री इल्ताफ निवासीगण भौरी डेरा शांतरशाह की मौत हुई है। जबकि परिवार और घर पर आए मेहमान सहित नौ लोग घायल हो गए।

नैनीताल जिले में 17 सड़कें बंद, हल्द्वानी में सबसे अधिक 140.0 एमएम बारिश

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

नैनीताल जिले में बीते 24 घंटे में हल्द्वानी में सबसे अधिक 140.0 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। बारिश से जिले में 17 सड़कें बंद हो गई हैं।

जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में नैनीताल में 89.0 एमएम, कालाढूंगी में 55.0 एमएम, श्री कैंचीधाम में 1.0 एमएम, धारी में 5.0 एमएम, बेतालघाट में 12.0 एमएम, रामनगर में 9.4 एमएम व मुक्तेश्वर में 1.2 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। बारिश के चलते जिले में गर्जिया-बेतालघाट मार्ग, रामनगर-भंडारपानी, देवीपुरा-सौंड मोटर मार्ग, फतेहपुर-पीपल, अणिया मार्ग, हरीशताल मोटर मार्ग, पिनसालीधार-पिनसेला मोटर मार्ग, अमृतपुर-बानना-बबियाड मार्ग, भुजियाघाट-सूर्यागांव, रूसी बाईपास मार्ग, पंगोट-देचौरी, हल्द्वानी-कालाढूंगी मोटर मार्ग, फतेहपुर-बेल मोटर मार्ग, बेल-बसानी मार्ग, लमजाला मोटर मार्ग, बानना बासा-जगलियागांव, देवीपुरा-सौड, ओखलकांडा-तोकनाला मार्ग बंद हैं।

आफत

- भारी बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ा

आज भारी बारिश का अलर्ट, दून समेत छह जिलों में स्कूल बंद

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

मौसम वैज्ञानिकों ने भारी बारिश के मद्देनजर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने आज राज्य के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि तीन जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। भारी बारिश के मद्देनजर खासतौर पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार बृहस्पतिवार को नैनीताल, ऊधमसिंहनगर एवं चंपावत जिले में कुछ स्थानों पर भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान आकाशीय बिजली के चमकने और बारिश के तीव्र से तीव्र दौर होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। भारी बारिश के मद्देनजर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही देहरादून, टिहरी, पौड़ी और हरिद्वार जनपदों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि शेष अन्य जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। वहीं देहरादून में बुधवार को अधिकतम तापमान 34.6 और न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोगों की मुश्किल और बढ़ी है। मंगलवार को 103 मार्ग थे, वहीं बुधवार को संख्या बढ़कर 126 हो गई है। सबसे अधिक प्रभावित सीमांत पिथौरागढ़ जिला है। यहां पिथौरागढ़- तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग, एक बार्डर रोड और 23 ग्रामीण मोटर मार्ग बंद हैं। रुद्रप्रयाग में 10, बागेश्वर में आठ, टिहरी में 11, चंपावत में दो और टिहरी में 11 मोटर मार्ग बंद है। उत्तरकाशी में तीन राज्य मार्ग और छह ग्रामीण मोटर मार्ग, देहरादून में एक राज्य मार्ग और 17 ग्रामीण मोटर मार्ग बाधित हैं। अल्मोड़ा में एक राज्य मार्ग, एक अन्य जिला मार्ग और एक ग्रामीण मोटर मार्ग, चमोली में एक मुख्य जिला मार्ग और 22 ग्रामीण मोटर मार्ग, ऊधम सिंह नगर में एक मुख्य जिला मार्ग और 22 ग्रामीण मोटर मार्ग बाधित हैं।

तेज बारिश की संभावना, शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश

बारिश के मद्देनजर एक अगस्त को टिहरी, पौड़ी और देहरादून, बागेश्वर, नैनीताल, उधमसिंह नगर के स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। कक्षा एक से 12 तक के सभी शैक्षणिक संस्थानों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

दस दिवसीय मोस्ट एंटर प्राइसिंग नेवल यूनिट शिविर का समापन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी नैनीताल में एनसीसी कैडेटों के चल रहे दस दिवसीय मोस्ट एंटर प्राइसिंग नेवल यूनिट (मेनु शिविर) का समापन बुधवार को मुख्य अतिथि कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत ने किया। बता दें कि शिविर में 25 बालिका कैडेट्स सहित कुल 60 कैडेट्स प्रतिभाग किया था।

मुख्य अतिथि प्रो.रावत ने कहा कि एनएसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों में देश प्रेम और अनुशासन की भावना उत्पन्न होती है और उन्हें देश का बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि उनका खुद का प्रयास है कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय में छात्र पढ़ाई के साथ साथ अन्य पाठ्येतर गतिविधियों जैसे एनसीसी व खेल-कूद और कौशल विकास जैसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सके। उन्होंने इस शिविर के समापन पर कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर शिविर कैडेट्स के लिए महत्वपूर्ण होता है जिसमें प्रत्येक चुनौती को एक अवसर और प्रत्येक बाधा को सफलता की सीख समझने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर ने कैडेट्स को नौकायन व पाल नौकायन से संबंधित कौशल हासिल करनेए व्यक्तिगत विकासए टीम वर्क और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान किया । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एसएसबी हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किया जा चुका है जिसमें पहले चरण में विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफ`सर भारतीय रक्षा सेनाओं के सेवानिवृत्त आधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया और जल्द ही विश्वविद्यालय ऑफलाइन माध्यम से भी विद्यार्थियों के लिए एसएसबी प्रशिक्षण को प्रारंभ करने जा रहा हैं। कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास के कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें कैडेट्स को भी अपनी सहभागिता देनी चाहिए।

एनसीसी के कमांडिंग आफि सर कैप्टन चंद्रविजय नेगी ने कहा कि जीवन में शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है और भारतीय परंपरा में शिक्षकों की ईश्वर से ऊपर स्थान दिया गया है। प्रोफेसर रावत जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् के निर्देशन में कुमाऊं विश्वविद्यालय छात्रों को बेहतर नागरिक बनने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

उन्होंने कहा कि इस दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स दस दिनों की अवधि में कैडेट्स 290 किलोमीटर की दूरी नौकायन व पाल नौकायन के माध्यम से पूरी की। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनसीसी की 3 व्हेलर्स नौकाओं तथा 2 एंटरप्राइस नौकाओं के माध्यम से इस लक्ष्य को पूर्ण किया गया। बताया कि इस कैम्प के समापन में 22 श्रेणियों में कैडेट्स को को पुरस्कृत किया गया। मेनू कैंप के सर्वश्रेष्ठ एसडी कैडेट सचिन सामंत तथा मेनू कैंप के सर्वश्रेष्ठ एसडब्ल्यू कैडेट निष्ठा जोशी को चुना गया व पुरस्कृत किया गया।

कुमाऊं विश्वविध्यालय नैनीताल के एनसीसी अधिकारी सब ले. डॉ रीतेश साह ने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों का मूल उद्देश्य कैडेट्स को एक व्यवस्थित जीवन शैली से परिचित कराना है और कैडेट्स सौहार्द, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा को विकसित करने में मदद करना है। उन्होंने इस कैम्प से जुड़े सभी व्यक्तियों के प्रति आभार ज्ञापित किया जिन्होंने इस संख्या को संपन्न बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर एक्स ओ ले0 कमाण्डर अनिल मनहास, भारतीय नौसेना के चीफ इंस्ट्रक्टर अंकुर यादव, कौशिश मौर्य, मुकेश आर्य, राजेश गुर्जर, कर्मबीर, रवींद्र गिरी व मंजीत उपास्थित थे।

नगर निकाय कर्मचारी महासंघ के शिष्टमंडल ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट से मुलाकात

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगर निकाय कर्मचारी महासंघ के शिष्टमंडल ने बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट से मुलाकात कर नगर पालिका परिषद नैनीताल के कर्मचारियों के वेतन एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में विस्तार से वार्ता कर ज्ञापन भी सौंपा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में विभिन्न नगर निकायों हेतु गठित ढांचे में नगरपालिका परिषद नैनीताल में पूर्व से सृजित पदों की संख्या काफी न्यून कर दी गयी है इसके अलावा पालिका में महत्वपूर्ण पद अधिशासी अधिकारी, श्रेणी लेखाकार, कर निरीक्षक, सफ ाई निरीक्षक व अवर अभियन्ता के पद विगत काफ ी समय से रिक्त चल रहे है जिस कारण विभागीय कार्यो के सम्पादन में कठिनाई उत्पन्न हो रही है, शिष्टमंडल ने इन पदों को भरने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने 10 वर्षों से अधिक समय से संविदा, तदर्थ कर्मियों को हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक नियमित करने, वेतन तथा पदोन्नति समेत कई मुद्दों पर वार्ता की। शिष्टमंडल में महासंघ के अध्यक्ष मोहन सिंह चिलवाल, महासचिव हिमांशु चंद्रा समेत वरिष्ठ कर्मचारी नेता सुनील कुमार खोलिया आदि मौजूद थे।

आबादी वाले क्षेत्रों में गुलदार का आतंक, घर के अंदर कुत्तों पर हमला

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल के आबादी वाले क्षेत्रों में गुलदार का आतंक तेजी से बढ़ रहा है। बीती देर रात शहर की धोबीघाट क्षेत्र में गुलदार ने घर के अंदर कुत्तों पर हमला कर दिया। हमले मे गृह स्वामी बाल बाल बच गया। जानकारी देते हुए गृह स्वामी कैलाश ने बताया

बीते कुछ समय से क्षेत्र में गुलदार की दहशत देखने को मिल रही है। देर रात गुलदार ने उनके घर के बाहर बैठे कुत्तों पर हमला कर दिया जब कुत्तों की आवाज सुनकर बाहर आए तो गुलदार ने उन पर भी हमला बोल दिया। गनीमत रही वह गुलदार की चपेट में आने से बच गए। पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बताते चलें कि बीते कुछ समय से शहर के फांसी गधेरा,स्नो व्यू,चार्टन लॉज,शेर का डंडा, आयारपाटा, स्टोनले, हांडी बॉडी समेत विभिन्न क्षेत्रों में गुलदार की दहशत देखने को मिल रही है। जिससे अब स्थानीय लोग दहशत में है। धोबी घाट क्षेत्र में हुई घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत देखने को मिल रही है और स्थानीय लोग वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग कर रहे हैं।

NEWS / फटाफट

भूस्खलन को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग

नैनीताल। बलियानाला संघर्ष समिति के शिष्टमंडल ने बुधवार को आयुक्त दीपक रावत से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने बलियानाला में लगातार हो रहे भूस्खलन को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। शिष्टमंडल ने कहा कि नैनीताल शहर को बचाने के लिए बलियानाला को अतिभार से बचाना होगा। कहा कि नैनी झील के पानी की निकासी 6 गेटों से होती है ऐसे में नाले के ऊपर पार्किंग नहीं बननी चाहिए क्यों कि इसका अतिभार बलियानाले पर पड़ेगा। साथ ही नैनी झील के ओवर फ्लों होने की दशा में डाट के पानी का बहाव भी अनियंत्रित होगा,जिससे बलियानाला समेत तल्लीताल क्षेत्र में बड़ा भूस्खलन होने से एक बड़ा हिस्सा बलियानाले में समा जाएगा।

अधिकारियों को तत्काल समस्याओं के निराकरण के निर्देश

नैनीताल। भीमताल ब्लाक मुख्यालय में बुधवार को आयोजित जन संवाद दिवस में ब्लॉक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने जनसमस्याओं को सुन विभागीय अधिकारियों को तत्काल समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसंवाद में आए ग्रामीण किसानों ने उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इंश्योरेंस कंपनियों के द्वारा गलत मुआवजा बांधकर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है साथ ही प्रीमियम राशि से कम मुआवजा बताकर इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा द्वारा जले में नमक छिडकने का कार्य किया जा रहा है। ब्लॉक प्रमुख डा.बिष्ट ने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री को मानक के अनुसार सभी ब्लॉक के किसानों को समान मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर पत्र लिखा है। जनसंवाद में कृषि, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन तथा बारिश में आपदा से खेतों व आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचने जैसे कई समस्याएं रही। प्रमुख ने विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। जन संवाद दिवस में प्रधान हेमा आर्य, जया बोहरा, अनिता प्रकाश, विपिन जंतवाल, अमित कुमार,पूरन भट्ट,कमलेश आर्य,संदीप पांडे, प्रेम मेहरा,मुकेश पलडिया, महेश भंडारी, संजय कुमार, मनोहर पलडिया,हरीश, नवीन,प्रदीप त्यागी, कृष्ण पलडिया, नवीन क्वीरा, दुर्गा दत्त, बीडीओ जगदीष पंत, एडीओ पंचायत कैलाश गोस्वामी, राकेश प्रसाद, निहारिका शर्मा सहित अन्य ग्रामीण व विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

भोजन एवं स्वस्थ आहार पर जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

रुद्रपुर। जिलाधिकारी उदयराज सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने कलेक्ट्रेट सभागार में सुरक्षित भोजन एवं स्वस्थ आहार पर जिला स्तरीय सलाहकार समिति की त्रैमासिक बैठक ली। बैठक में एडीएम ने खाद्य संरक्षा विभाग ने विगत त्रिमासिक कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी के माध्यम से दिये जाने वाले पोषण आहार की नियमित सैंपलिंग कर जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानक के विपरीत बिकने वाले खाद्य/पेय पदार्थों की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जाए। इसके साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले खाद्य पदार्थों की जांच हेतु सीमाओं पर सैंपलिंग व जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि सैंपलिंग की वीडियोग्राफी भी अवश्य करायी जाए। एडीजी ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निकायों से समन्वय करें व खुले में अमानक खाद्य/पेय पदार्थों के बिक्री करने वाले दुकानदारों की तहबाजारी न लेने व उनके खाद्य एवम पेय पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, जीएम डीआईसी विपिन कुमार, सीओ संचार आरडी मठपाल, सहायक कृषि अधिकारी अखिलेश चंद्र, एसीएमओ डॉ एसपी सिंह सहित समिति के सदस्य आदि मौजूद रहे।

दुर्गापुर क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे लोगों पर अब प्रशासन करेगा कार्रवाई

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल के दुर्गापुर क्षेत्र में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन योजना के तहत बनाए गए भवनों में अवैध रूप से रह रहे लोगों पर अब प्रशासन कार्रवाई करने जा रहा है।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बीते दिनों क्षेत्र का भ्रमण कर सरकारी भवनों में रह दो दर्जन से अधिक परिवारों को चिन्हित कर सूची तैयार कर ली है जल्द ही अब इन परिवारों पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी देते हुए नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी पूजा चंद्रा ने बताया जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन योजना के तहत लोक निर्माण विभाग में वर्ष 2014-15 में 168 आवासो का निर्माण किया था। आवास बनने के बाद लोक निर्माण विभाग ने भवन नगर पालिका को हस्तांतरित कर दिए इसके बाद नगर पालिका ने शहर के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र हरी नगर और रईस होटल क्षेत्र से करीब 50 परिवारों को घर आवंटित कर दिए लेकिन इन लोगों के आड़ में दो दर्जन से अधिक परिवार अवैध रूप से कबजा कर इन घरों में काबिज हो गए जिन्हें अब बेदखल करने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका रिक्त आवासों को देगा किराए पर

लंबे समय से दुर्गापुर क्षेत्र मे जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन योजना के तहत बने 168 आवास से करीब 70 कमरे आज भी खाली है जिन्हें अब नगर पालिका किराए पर देने का विचार कर रही है ताकि नगर पालिका की वित्तीय स्थिति में सुधार आ सके। जानकारी देते हुए अधिशासी अधिकारी पूजा चंद्रा ने बताया लंबे समय से कमरे बंद होने के चलते क्षतिग्रस्त होने लगे थे जिसको देखते हुए पूर्व में इन कमरों को किराए में देने नगर पालिका बोर्ड बैठक में सहमति बन चुकी है लेकिन अब तक इन कमरों को किराए पर नहीं दिया गया है। जल्द ही नगर पालिका इन सभी कमरों को किराए पर देने जा रही है।

आखिर कौन है कब्जेदार

अचरज की बात यह है जिन लोगों ने सरकारी भवनों पर कब्जा किया है उन लोगो की जानकारी ना तो अब तक प्रशासन के लोगों को है ना ही नगर पालिका की जो लंबे समय से इन आवासों पर कब्जा जमाए बैठे हैं।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अभिमत

अर्थव्यवस्था को घातक

निजी क्षेत्र में यदि आरक्षण लागू किया गया तो देश की अर्थव्यवस्था को भारी आघात लगेगा, जिसकी भरपाई कठिन हो जायेगी। अर्थव्यवस्था के साथ ही देशभर में जातीय हिंसा भड़कने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र में आरक्षण के कोटे से नियुक्ति पाने वाले अधिकतर लोगों का कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है, हालांकि आरक्षण से नियुक्त सभी लोगों पर यह बात लागू नहीं होती है। सरकारी विभागों में अकर्मण्य लोगों को झेलना मजबूरी है। निजी क्षेत्र में प्रगति का मुख्य कारण योग्यता के आधार पर नियुक्ति है। निजी क्षेत्र के उद्यमी आरक्षण नीति को लागू करने पर राजी नहीं हो सकते हैं।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने कन्नड़ भाषियों को निजी क्षेत्र में शत प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया। उद्योगों ने भारी विरोध किया तो सरकार फैसले से पीछे हट गई। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने एक्स पर नया पोस्ट किया, जिसमें 50 से 75 प्रतिशत आरक्षण की बात कही गई है। आरक्षण का मुद्दा हमेशा से विवादित रहा है। न्यायालय भी इस मुद्दे पर कई बार फैसला सुना चुका है, लेकिन चुनाव में वोट के लिए आरक्षण को मुद्दा बनाया जाता है। आरक्षण का मामला चुनाव में ज्यादा कारगर नहीं रह गया है। सरकारी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या घटती जा रही है। निजी क्षेत्र में आरक्षण के खिलाफ हरियाणा में न्यायालय पहले ही फैसला सुना चुका है। हरियाणा में राज्य के निवासियों को निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया था। हाईकोर्ट ने नवंबर, 2023 को सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। कर्नाटक सरकार के प्रावधान को भी न्यायालय रद्द कर देगा। इस मामले को उद्योग समूह द्वारा चुनौती देने की उम्मीद है। संविधान में जाति के आधार पर आरक्षण का प्रावधान सिर्फ दस साल के लिए किया गया था। आरक्षण का उद्देश्य कमजोर वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था। दस साल बाद वोट बैंक की राजनीति के तहत आरक्षण नीति को सात दशक से लगातार लागू रखा गया है। विकृति के कारण आरक्षित जातियों के कुछ परिवारों को पीढ़ी दर पीढ़ी लाभ मिलता रहा और क्रीमीलेयर के तौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग में कुछ लोग सामान्य वर्ग से भी संपन्न हो गये, वहीं आरक्षण का फायदा नहीं मिलने से दलितों की हालत और ज्यादा दयनीय हो गई। मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू होने पर पूरे देश में हिंसक विरोध हुआ और समाजशास्त्रियों ने आर्थिक आधार पर सभी जातियों के गरीबों को आरक्षण का सुझाव दिया। आर्थिक आधार पर आरक्षण की नीति लागू नहीं की गई। अब निजी क्षेत्र में यदि आरक्षण लागू किया गया तो देश की अर्थव्यवस्था को भारी आघात लगेगा, जिसकी भरपाई कठिन हो जायेगी। अर्थव्यवस्था के साथ ही देशभर में जातीय हिंसा भड़कने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र में आरक्षण के कोटे से नियुक्ति पाने वाले अधिकतर लोगों का कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है, आरक्षण से नियुक्त सभी लोगों पर यह बात लागू नहीं होती है। सरकारी विभागों में अकर्मण्य लोगों को झेलना मजबूरी है। निजी क्षेत्र में प्रगति का मुख्य कारण योग्यता के आधार पर नियुक्ति है। निजी क्षेत्र के उद्यमी आरक्षण नीति को लागू करने पर राजी नहीं हो सकते हैं। केन्द्र सरकार को सख्त निर्णय लेते हुए जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर आरक्षण को खत्म करना चाहिए, यह देश व जनहित में होगा।

बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, घरों में पानी घुसा

नैनीताल हमारे संवाददाता

मौसम विभाग के अलर्ट के बाद नैनीताल में कुछ देर की बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। शहर के तल्लीताल क्षेत्र मे बारिश का पानी और मलवा जय भवन स्थित घरों में घुस गया।

घर में पानी घुसने की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने बरसात के दौरान कड़ी मशक्कत कर घरों में घुसे पानी और मलवे को बाहर निकाल। घर मे पानी घुसने से घरों में रखा सारा सामान बारिश के पानी और उसके साथ आए मालवे में खराब हो गया। घरों में पानी घुसने से स्थानीय लोगों में अब लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका के खिलाफ रोष देखने को मिल रहा है।

क्षेत्रीय निवासी राकेश बिष्ट ने बताया बीते दिनों लोग निर्माण विभाग ने रैमजे रोड क्षेत्र मे सड़क और नालो के सुधरीकरण का काम किया था। लेकिन विभाग और ठेकेदार की लापरवाही के चलते नालों को पूर्ण रूप से बंद कर दिया साथ ही मुख्य नाले का मुहाने को छोटा कर दिया। जिसके चलते आज बारिश का पानी स्थानीय लोगों के घर में घुसा है जिसे उनके घर में रखा सारा सामान खराब हो गया। यही हाल जय भवन में रहने वाली नितिशा का भी है नितिशा ने बताया अचानक बारिश होने से छत और दीवारों से पानी अचानक उनके घर में घुस गया। जिससे उनके घर का सारा सामान,बिस्तर,कपड़े खाने-पीने का सामान खराब।

स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही की जिस समय ठेकेदार सड़क बन रहा था उसमें विभागीय अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण नहीं किया जिसके चलते आज उनके क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं वही नगर पालिका के द्वारा भी समय-समय पर नालियों की सफाई नहीं कराई जाती जिसके चलते नालियां चौक होने से पानी घर और दुकानों में घुस गया जिससे लोगों को हजारों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं बाजार के घरों में घुसे पानी के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों में भी विभाग की कार्य प्रणाली पर रोष देखने को मिल रहा है।

वहीं सामाजिक कार्य कटरी सरस्वती खेतवाल ने बताया की बारिश के दौरान सड़कों का पानी नवीन पांडेय, अमित आर्य, नवीन कुमार, राकेश बिष्ट, कुलवीर सिंह अन्य लोगों के घरों और दुकानों में घुसा जिससे इन लोगों को काफी नुकसान हुआ है। घरों में पानी घुसने की सूचना के बाद व्यापार मंडल अध्यक्ष मारुति नंदन शाह, शैलेंद्र उप्रेती, शनी समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे जिन्होंने स्थानीय लोगों की मदद भी की।

मलबा आने से राष्ट्रीय राजमार्ग में बंद रहा, लगा जाम

नैनीताल । ज्योलीकोट में दोपहर बाद हुई मूसलाधार बारिश के साथ देर शाम करीब चार बजे हलद्वानी नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग में ज्योलीकोट से पूर्व नलेना के पास पहाड़ी से पानी के तेज बहाव के बड़ी मात्रा में मलवा आकार राष्ट्रीय राजमार्ग में आ गिरा जिससे दोनों ओर वाहनों की दो तीन किमी लम्बी कतार लग गई।

सूचना पर कर्मियो सहित पहुंचे चौकी इंचार्ज अविनाश मौर्य द्वारा यातायात नियंत्रण और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम और जेसीबी मशीन से मलवा हटाने का कार्य शुरू किया लेकिन मलवे की मात्रा ज्यादा होने और मार्ग में काफी दूर दूर तक फैलने से मलवा हटाने में दिक्कतें आती रही तकरीबन एक घंटे बाद एक अन्य जेसीबी को भी मलवा हटाने में लगाया गया ढाई से घंटेअधिक समय बाद यातायात सुचारु कर दिया गया। जिससे फंसे लोगों ने राहत की सांस ली।

बीडी पांडे अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की पोस्टमार्टम ड्यूटी, बिना ईलाज के मायूस लौटना पड़ा हृदय रोगियों को

नैनीताल हमारे संवाददाता

नैनीताल के जिला अस्पताल बीडी पांडे अस्पताल में तैनात विशेषज्ञ चिकित्सकों की पोस्टमार्टम ड्यूटी लगाने के चलते अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यहीं हाल बुधवार को भी देखने को मिला जब बीडी पांडे अस्पताल में तैनात एकमात्र हृदय रोग विशेषज्ञ को पोस्टमार्टम करने के लिए अस्पताल से लगभग 110 किमी दूर जाना पड़ा। जिसके चलते लगभग चार दर्जन हृदय रोगियों को बिना ईलाज के ही मायूस लौटना पड़ा। गौरतलब हो कि नैनीताल के जिला चिकित्सालय बीडी पांडे से 11 चिकित्सकों की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ड्यूटी प्रतिमाह लगाई जाती है।

जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ समेत अन्य विशेषज्ञों की भी ड्यूटीयां लगाई जाती है। एक माह में एक चिकित्सक की पीएम ड्यूटी तीन से चार लगने के

कारण अस्पताल आने वाले मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दरअसल नैनीताल एकमात्र अस्पताल है जहा नैनीताल के साथ साथ कई आस पास के गांव के भी मरीज दिखाने आते है इतना ही नहीं नैनीताल एक पर्यटक स्थल है जहां लाखों सैलानी आते हैं। ऐसे में अस्पताल में विशेषज्ञों की तैनाती न होने से दिक्कतो का सामना करना पड़ता है।

वहीं बुधवार को भी अस्पताल के एक मात्र हृदय रोग विशेषज्ञ की पीएम ड्यूटी के लिए अस्पताल से लगभग सौ किमी दूर ओखलकांडा क्षेत्र में जाना पड़ा। जिसके चलते अस्पताल में पहुंचे लगभग चार दर्जन मरीजों को बहुत देर इंतजार के बाद बिना दिखाए ही वापस लौटना पड़ा।

मालूम हो कि पोस्टमार्टम के लिए रामनगर हल्द्वानी नैनीताल में पोस्टमार्टम हाउस है बरसों सही पोस्टमार्टम के लिए इन स्थानों में पोस्टमार्टम करने के लिए लाया जाता है परंतु दुर्धरस क्षेत्र में पोस्टमार्टम करने के लिए पूरी टीम को भेजा जाता है इस मामले में जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चंद्र पंत ने बताया कि जिला चिकित्सालय की ओर से ही वहां तैनात चिकित्सकों की ड्यूटी पीएम के लिए लगाई जाती है।

लेकिन जल्द ही व्यवस्था बनाकर अन्य अस्पतालों के डॉक्टरों को भी पीएम लिए तैयार कर ड्यूटी में में भेजा जाएगा। ताकि विशेषज्ञों को दूर दराज क्षेत्र में पीएम ड्यूटी के लिए न जाना पड़े। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम आमिर जमान से बदलकर आमिर सैफी रख लिया है, अत: भविष्य में मुझे आमिर सैफी नाम से जाना, पहचाना जाए। आमिर सैफी पुत्र अब्दुल माजिद, माजिद फर्नीचर, मंगल पड़ाव बरेली रोड, हल्द्वानी, नैनीताल, (उत्तराखण्ड)

सूचना

विवाहोपरान्त मैंने अपना नाम समरीन सरफराज से बदलकर समरीन आमिर कर लिया है, अत: भविष्य में मुझे समरीन आमिर नाम से जाना, पहचाना जाए। समरीन आमिर पत्नी आमिर सैफी, माजिद फर्नीचर, मंगल पड़ाव बरेली रोड, हल्द्वानी, नैनीताल, (उत्तराखण्ड)

फिल्मी दुनिया

करोड़ों रुपये की मालकिन हैं मृणाल, करियर और नेटवर्थ

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का आज जन्मदिन है। मृणाल ने बॉलीवुड के अलावा साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। फिल्मों में काम करने से पहले मृणाल कई हिट टीवी शो में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। मृणाल ठाकुर का जन्म 1 अगस्त 1992 में महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में सीरियल %मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां% से की। इसके बाद वे कई टीवी सीरियल में नजर आईं लेकिन उन्हें कुछ खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद जी टीवी के हिट शो %कुमकुम भाग्य% में नजर आईं और फिर उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीवी की दुनिया में मशहूर होने के बाद मृणाल ने फिल्मों की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने बॉलीवुड में काम पाने के लिए काफी संघर्ष किया और आज उस संघर्ष का फल उन्हें मिल रहा है। मृणाल ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआत में वे कई बार निराश होकर रोने लग जाती थीं। तब उनके माता-पिता उन्हें हौसला देते थे और कहते थे एक दिन तुम दुनिया के लिए मिसाल बनोगी मृणाल। मृणाल ठाकुर की फिल्मों की बात करें तो जिस 'सुपर 30' में मृणाल के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद वे जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' और फिल्म 'तूफान' में वे फरहान अख्तर की पत्नी के रोल में नजर आईं। वे साउथ की फिल्मों का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

लग्जरी लाइफ जीती हैं

मृणाल ठाकुर के नेट वर्थ की बात करें तो अभिनेत्री एक लग्जरी लाइफ जीती हैं। सूत्रों की मानें तो मृणाल ठाकुर प्रति फिल्म 2 करोड़ रुपये कमाती हैं और उनकी मासिक आय 60 लाख है। उनकी सालाना आय 7 करोड़ रुपये है। मृणाल कई महंगी कारों की मालकिन हैं। उनके पास 30 लाख की कीमत वाली टोयोटा फॉर्च्यूनर और एक होंडा अकॉर्ड है, जिसे उन्होंने 45 लाख में खरीदा था। एक्ट्रेस ने हाल ही में 2.17 करोड़ की मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास लग्जरी सेडान खरीदी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल संपत्ति लगभग 33 करोड़ है और पिछले कुछ वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई है।

कुमाऊं मण्डल विकास निगम लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का प्रतिष्ठान)
ओक पार्क हाउस, नैनीताल-263001

पत्रांक 1827/10-निर्माण/24-25 दिनांक- 31 जुलाई, 2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

निविदा:-1. ग्राम सुनकिया पैट्रोल पम्प में इलेक्ट्रिकल पैनल व स्ट्रीट लाइटों का विद्युतीकरण का कार्य। 2. शॉपिंग कॉपलैक्स, हल्द्वानी परिसर में वायरिंग का काय। 3. मा0 मु0 जी की घोषणा के अन्तर्गत पर्यटन पार्क कौसानी (जनपद-अल्मोड़ा) में विद्युतीकरण का कार्य। 4. मा0 मु0 जी की घोषणा सं0 810/2021 विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर के बायलखालसा बद्रीनाथ मंदिर में विद्युतीकरण के कार्य। 5. चोरगलिया गैस गोदाम में रिपेयरिंग का कार्य। 6.विधायक निधि के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र हल्द्वानी के मित्रपुरम दमुवाढूंगा में इन्द्र सिंह नयाल के घर से पूरन बिष्ट के घर तक हिमालय कालोनी, दमुवाढूंगा डी0एल0 आर्या के पास एवं नवाबी रोड में सुन्दर चौहान के घर के पास सी0सी0 द्वारा मार्ग का निर्माण कार्य। 7. विधायक निधि के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र, हल्द्वानी के जजी कोर्ट, हल्द्वानी में अवशेष कार्य। 8. प0आ0 गृह, गंगोलीहाट (जनपद -पिथौरागढ़) के पहुंच मार्ग, सुधारीकरण एवं चाहरदीवारी का निर्माण कार्य।

(सम्बन्धित कार्य हेतु विस्तृत सूचना निगम वेबसाईट www.kmvn.in में दिनांक 04.08.2024 से देखी जा सकती है। निविदा में किसी भी प्रकार का संसोधन वेबसाईड www.kmvn.in के माध्यम से ही किया जायेगा।)

महाप्रबंधक (नि0)

News कॉर्नर

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

हल्द्वानी। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथ गंभीर रूप से घायल है। उसका उपचार एसटीएच में चल रहा है। बताया जा रहा है कि युवक बीती रात रूद्रपुर में रहने वाले अपने रिश्तेदार के यहां जा रहा था तभी यह हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार देवली लोधिया जिला अल्मोड़ा निवासी सूरज लटवाल पुत्र त्रिलोक सिंह लटवाल अपने साथी के साथ बाइक में सवार होकर हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहा था। जब रामपुर रोड में रामपुर रोड में दैनिक जागरण कार्यालय के पास पहुंचा तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दोनों को उपचार के लिए एसटीएच लाया गया जहां डाक्टरों ने सूरज को मृत घोषित कर दिया जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है।

डीएम समेत जनप्रतिनिधियों ने शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

रुद्रपुर। शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस को जनपद में बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़, जिलाधिकारी उदयराज सिंह पूर्व विधायक किच्छा राजेश शुक्ला, निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, अशोक जोशी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पांडे, ओसी कलैक्ट्रेट अमृता शर्मा, मुख्य कोषाधिकारी डॉ. पंकज शुक्ल, पुलिस उपाधीक्षक आरडी मठपाल समेत अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने जिला कार्यालय परिसर में स्थापित शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा एवं चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शहीदों को नमन किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात सभी ने शहीद ऊधम सिंह जिंदाबाद व अमर रहे के नारे लगाए।

विडंबना: बीडी पांडे अस्पताल में टपकती छत के नीचे सो रहे मरीज

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल में बारिश के दौरान राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल के महिला वार्ड व एक्सरे वार्ड में छत से पानी टपकने से मरीज परेशान हो रहे हैं। बुधवार को भी रैड अलर्ट के चलते बारिश के दौरान जिला अस्पताल के वार्डों में पानी भर गया। दूसरी ओर स्टाफ की ओर से मरीजों के बैड के अगल- बगल बाल्टियां लगाकर पानी को फ र्स में गिरने से रोकने की कोशिश की जा रही है तो वहीं टपकते पानी के बीच एक्सरे मशीन को भी बंद करना पड़ा, जिससे अस्पताल के स्टाफ समेत मरीज भी परेशान हैं।

बता दें जिला असस्पाल में रोजाना 500 से ज्यादा मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं वहीं रोजाना 50 से ज्यादा मरीज यहां भर्ती रहते हैं जिसके चलते अस्पताल को लगातार नई सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है लेकिन उसके बाद भी असस्पाल में कई अनियमिताओं के चलते यहां आने वाले मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ है। इन दिनों बरसात में यहां भर्ती होने वाले मरीज परेशान हैं वजह यह कि अस्पताल के महिला वार्ड में बारिश के दौरान छतों से पानी अंदर टपक रहा है। असस्पाल के जच्चा- बच्चा वार्ड तथा महिला मेडिकल वार्ड व बर्न वार्ड में बारिश के दौरान भारी मात्रा में पानी गिरने से दीवारों में सीलन व फ र्स में फिसलन हो रही है। जिससे वहां भर्ती मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल का स्टाफ भी मरीजों के बैड इधर-उधर करने में जुटा हुआ है। आलम यह है कि वार्डों में गिरते पानी को फ र्स में फैलने से बचाने के लिए स्टाफ की ओर से डस्टबिन व बाल्टियां लगानी पड़ रही हैं। वहीं फर्स में पड़े पानी को कई बार पोछे से साफ करना पड़ रहा है। जिसके चलते मरीज व तीमारदार व स्टाफ परेशान हैं लेकिन अस्पताल प्रबंधन की ओर से अब तक बारिश के पानी को रोकने के लिए कोई अस्थाई समाधान भी नहीं किया गया है जबकि अस्साल के कार्यालय की छत इन दिनों बदली जा रही है।

जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा.तरुण कुमार टम्टा के मुताबिक जिला प्रशासन से छतों की रिपेयरिंग की मांग की गई थी जिसके चलते वर्तमान में पहले चरण में कार्यालय व ओपीडी की छत बदली जा रही है। बजट मिलने पर दूसरे चरण में उक्त वार्ड की छत का उपचार किया जाएगा, फि लहाल बाल्टी लगाकर व बैड को इधर उधर शिफ्ट कर बचाव किया जा रहा है।

मुरादाबाद निवासी युवक कालेज गई छात्रा को बाइक पर बैठाकर हुआ फरार

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

एक महिला ने मुरादाबाद निवासी एक युवक पर पुत्री को बहला फुसलाकर बाइक पर बैठाकर ले जाने का आरोप लगा एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने आरोपी समेत चार अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चौकी रम्पुरा क्षेत्र निवासी एक महिला ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया। उसमें महिला ने बताया कि 22 जुलाई 24 को बीए की पढ़ाई के लिए सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर में गई हुई थी। आरोप है कि सौरभ निवासी ग्राम आजादनगर मझौला, जिला मुरादाबाद पुत्री को बहला फुसलाकर गलत काम करने की नीयत से बाइक पर बैठा ले गया है। महिला ने बताया कि भाई की पुत्री ने सौरभ को ले जाते देखा है। महिला के मुताबिक उक्त घटना में बॉबी, ओम, राजा निवासी खेड़ा, रूद्रपुर,सागर निवासी आजादनगर मझौला, मुरादाबाद भी शामिल हैं। महिला ने बताया कि एक प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या-110 सन् 2024 में दर्ज करवायी गयी थी। उसमें उक्त आरोपी के विरूद्ध आरोप पत्र अन्तर्गत धारा-363,354 आईपीसी एवं 7/8 पॉक्सो के तहत प्रेषित किया जा चुका है। महिला का कहना था कि सौरभ और उसके साथियों के हौसले बुलन्द हैं। इस घटना से 22 जुलाई 24 को थाना रूद्रपुर में दी गयी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। उसे मजबूरन एसएसपी के पास न्याय की गुहार लेकर आना पड़ा। अभी तक पुत्री का कोई पता नहीं चल सका है। महिला ने एसएसपी से पुत्री की बरामदगी कर उक्त युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कोतवाल एमएस दसौनी ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच की जा रही है।

मुकदमा

- स्थानीय पुलिस से मदद नहीं मिलने पर पीड़िता पहुंची एसएसपी के पास
- लगाई न्याय की गुहार मुख्य आरोपी समेत पांच युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

सड़क चौड़ीकरण में मानकों की अनदेखी मानवाधिकार आयोग से शिकायत

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

नैनीताल रोड चौड़ीकरण के चलते जहां एक ओर सरकारी व निजी अतिक्रमण ध्वस्त किया जा रहा है वहीं कुछ स्थानों पर इसमें नरमी बरती जा रही है।

इस मामले में समाजसेवी हेमंत गोनिया ने मानवाधिकार आयोग उत्तराखंड के अनुसचिव को शिकायती पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि नैनीताल रोड का चौड़ीकरण हो रहा है, शहर में सरकारी अस्पताल, स्टेडियम आदि स्थानों से अतिक्रमण तोड़ा जा रहा है लेकिन टेड़ीपुलिया स्थित मॉल के पास सड़क चौड़ी नहीं की जा रही है। गोनिया ने कहा कि यहां सरकारी जमीन पर अलग से सड़क बना दी गई है। इसका खुलासा आरटीआई से जानकारी मांगने पर हुआ। इसकी शिकायत पूर्व में शासन-प्रशासन से की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। साथ ही मानवाधिकार आयोग ने भी जिला प्रशासन को कार्यवाही के लिए आदेशित किया था। इसके बावजूद कार्रवाई न होने पर गोनिया ने पुनः मानवाधिकार आयोग को शिकायती पत्र भेजा है। उनका कहना है कि तीनपानी से काठगोदाम तक समान रूप से सड़क चौड़ीकरण किया जा रहा है लेकिन टेड़ीपुलिया में इसके नियम बदल दिये गये हैं।

धूमधाम से मनाया गया नैनीताल बैंक का 103वां स्थापना दिवस

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल बैंक का 103वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बैंक प्रबंधन की ओर से सर्वप्रथम पर्यावरण सुरक्षा एवं जागरूकता रैली निकाली तत्पश्चात पंत चौक पर बैंक के संस्थापक सदस्य भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको याद किया।

बैंक द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण एवं परामर्श शिविर अपने प्रधान कार्यालय में लगाया गया जिसमें 200 से अधिक लोगों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। इस अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक निखिल मोहन ने समस्त ग्राहकों, अंशधारकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि बैंक 103 वर्षों से उत्तराखंड सहित पांच राज्यों में अपनी 171 शाखाओं के माध्यम से निरंतर उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है।

बैंक न केवल आर्थिक क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनश्चित कर रहा है अपितु सामजिक कार्यों में भी अग्रणीय है। कहा कि बैंक निरंतर अपने ग्राहकों को उच्चस्तरीय सेवाएं देने हेतु प्रयासरत है तथा कुछ नए अग्रणीय बैंकिंग उत्पाद भी अपने ग्राहकों के लिए निकट भविष्य में लाने जा रहा है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. दीपक पंत, मुख्य वित्तीय अधिकारी महेश गोयल, मुख्य अनुपालन अधिकारी महेश जिंदल, वाईस प्रेजिडेंट राहुल प्रधान, प्रमुख जोखिम अधिकारी सचिन कुमार आदि उपस्थित थे।

कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष ने की कुलपति से मुलाकात

नैनीताल। उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत के नेतृत्व में महासंघ के शिष्टमंडल ने सोबन सिंह जीना अल्मोड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट से मुलाकात एवं वार्ता की। वार्ता में मुख्यता विश्वविद्यालय में कमचारियों के रिक्त पदों पर जल्द नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ पर चर्चा हुई जिस बाबत रोस्टर की प्रक्रिया चलायमान होने की जानकारी मिली आगे की कार्यवाही जल्द होने का भी जिक्र कुलपति प्रो.बिष्ट ने किया।

हरेला उत्सव: गौलापार बागजाला में किया पौधरोपण

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सुबीर कुमार व सचिव बीनू गुलियानी के निर्देशन में हरेला उत्सव के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया जा रहा है। इस क्रम में पैरालीगल वॉलंटियर उमा भंडारी ने हल्द्वानी गौलापार के बागजाला क्षेत्र में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पौधरोपण के तहत लगाये गये पौधों की देखभाल करने की शपथ भी ली। भंडारी ने लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराये जाने वाली सेवाओं से भी अवगत कराया। इस मौके पर बसंत आर्य समेत तमाम लोग मौजूद थे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने रोपे पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा हल्द्वानी के कार्यकर्ताओं ने धार्मिक स्थलों में पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सभी लोगों से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आगे आने का आहवान भी किया। एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अन्तर्गत कार्यकर्ताओं ने बरेली रोड स्थित कब्रिस्तान में पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंतज़ार हुसैन रहे। उपाध्यक्ष जहीर अंसारी और कोषाध्यक्ष इसरार हुसैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इंतज़ार हुसैन ने कहा कि उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरियाली के प्रतीत हरेला से प्रारंभ हुआ पौधारोपण कार्यक्रम 19 अगस्त तक चलेगा। मोर्चा के कार्यकर्ता पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पेड़ों का महत्व समझना होगा। सांस लेने के लिए ऑक्सीजन पेड़ों से ही मिलता है। कोषाध्यक्ष इसरार हुसैन ने कहा कि प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील एक आंदोलन बन गई है। इस मौके पर महमूद हसन बंजारा, जिला अध्यक्ष अली नकवी, महबूब अली, जियाउद्दीन कुरैशी, अजगर अली, मो. नाजिम, मो. साजिद, पफईम, इसरार अंसारी आदि थे। इश्र, कालाढूंगी में भी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण किया। यहां पर जिला अध्यक्ष अली नकवी, दीवान सिंह बिष्ट, गोपाल बुधलाकोटी, कालाढूंगी सरकारी अस्पताल प्रभारी अमित मिश्रा, तस्लीम कुरेशी, शाकिर हुसैन, इनायत अली खान, शहजाद हुसैन, नदीम सलमानी, वकील अहमद, जुनैद कुरैशी मौजूद थे।